

[illegible]

८५५। मयं मयुः श्रीमि व द ग र ण ण नी नो क्तुः श्री भ न द ग र ण
श्री ग र ण मे व न न न सि द र ण क द ग र ण ण नी नो क्तुः भ न भू य भ न व न न उ क्तु
लि भ न्न। क्तु उ क्तु भू उ क्तुः म म भ न वि क्तु न (क ली - उ र - शि भू भ न री -
क व ने सु गी - कि न भ भू - शि भू उ र री - प्र भा व डी - उ ग ल भू री - भ उ री
क भ ल भू क र भ म म डी न) उ क्तु लि भ भू क्तु नि - उ व म (क्तु - मि र
ग ल म - भू - वि भू न) पं म य उ न म य उ न उ क्तु लि भ भू क्तु नि । उ प म
भ च भू उ क्तु - उ क्तु म य उ र यः पु न - य नु क्तुः - भ नु क्तुः - भ र वि
पिः - भू र भ - क व म - क म य - उ प नि ध र - म ड न म - भ न भू न म
पु क्तु उ नि म म म म न नि भ त्ति । क भ गी उ क्तु - उ लि भू न - क व र वि
ल य म भ भू ग र नि वे मि उ व उ क्तु । अ व भ च भू भ गि भ वि उ यं ग रः भ च उ
भ न ग रः भ च व भू क प म व ल भि र ण न न क्तु उ य म भ भू उ य म
सु लि उः ।

विमलमभिवल्लभमभिरुपमपाननम्
सुमार्त्तनमदानं चैव सुमः परमपुण्यः ॥ ५३ ॥
गसाभ्युत्त ॥

उत्तमैव भुवयो - भं प्रतिदिशयः सुदृष्टं नं भवसु कउष्ट निवृष्टयनं सुष्टुपनं यणनं
यणनं सुवे प्रतिपदः पञ्चनिकमगीलधल यवमभं यवसुगवत्तुं नववति । कप्रमिन्
ष्टुतापुलाष्टुष्टिमेसुष्टुभक्तु नभं पिक्तु मिक्तुमिन्नमयः । कानभगवती सुभक्तं प्रति
उभक्तः भक्तु भक्तुचं भुवेयं सुदृष्टः ॥ ५३ ॥ सुवे । केवलं मिक्तुतेन यल्लिपिनीवेधुक्तु
लि प्रतिपदं सुष्टिकागिलः परिमृष्टुत्तु सुदद कियानयं पददृष्टः । यं भं गेष्टुभक्तः
समिष्टुगेष्टुभक्तयः भक्तयः परमपुण्यः सुदृष्टं नं भवसु कउष्ट निवृष्टयनं सुष्टुपनं यणनं
भक्तुभक्तुपदं नभुनकषा कउष्ट ॥ किमपुनिकालकउष्टुक्तु ॥

बुद्धिबुधमालेभुविप्रासमभरदिउ कुरिल्लेनान विगलःभति। पञ्चतु।
विहंभः। वयं नैमिक एवम यउ उरे। उरेउं उरुभानाएवम। सुउं नउतामि
कुठिगः। उरुदेउं उउवदुष्टले निमित्रयमम एवमकुठिअलेउवदुष्टः।
उमदुष्टः। भयमेः भिदुक्तले लेठेपुदपुपु। वरेपु वरेव। उय। एवकेवलं
म। सुउं नेउ भामभुम। ध्रियवदवः। उयंमलेठि ध्रुयभन। उन एवमअपि
यव। वकुमभे। येने एवमप्रुतामपि यव। उयेएनं भदु। दकालेन नउवम
पुनुः। ले। पनमि परिप। दी। गदिता नमभय। उवठवति। उरुएनं मनिग
चमभयमिउ नभेवपुनुन। भयने कालेनलहउ किंनरुमदुले।
एयंभामय नमभुपुनु भदु। दध क कष। पनु। भयन एवमनिलेय। उभम
वयोमिक एवम। भदे। उं। पमः। सुषाट्ट। सुमभे। सुभिदुक्तगतिमच
मगत्रिवा। दयवलासुभदवधु। दउमि। उरुमशुक्र। कुरिय वसु सुदुः
एउमदुष्टवलाः। उरुमदुष्टगदुधु वानरुभु भदुभाः। एउमदुष्ट सुमभः
कलिदताः। उरुमदुष्टमीनवलाः। उरुमदुष्टसुचभयमः। कालीय
यमभुगत्रमिधुः। सुदिम। उमी। सुग। सुपणम। उम। मपुपुल
नं। सुगत्रल उमत्रु। उं। भचकउष्टमिग। दउय। उरु। मलीय। पल॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

11. *Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation of the previous page.*

ठठविदुर्धा वाधनी ॥ पुंसेविदुर्धा चनु रवतः नमिमुक्ताष्टयकप ॥ अष्टय
तभनलीयाष्टयमष्टय भुमउमीकाली किरभाच ॥ मुदुउ ॥ डेल्लेदुसेमीयच
विदुसेमीयप्रभुकभलेष्टुधीडुः सं सो ॥ उम उमभभूतिभष्टुः भुलभक्राकगुकी
वेदुवेष्टु भक्रायत्रभष्टु अष्टयनगमभष्टुडिविनिमिडः भति यमभिवेष्टुष्टुष्टुः
उमभिमभमय ठमय ॥ ककननविष्टुप्रच ॥ अष्टयभनेनदठ ॥ लेमिउम
भदभविमभमीनमकामय ॥ विचिमेपकेन भभिमपकेन भदभउपभउपभकुवमउप
कउ भमीमीनउमभकउविभयठमठवभभुन उदठ ॥ किलचकउय भोवभ
कुठिभयभुनग तभनलीयिष्टुगठ - नडिडुकी - ठुष्टुभभउष्टुय ॥ अष्टयगठ
वष्टुनिगीक ॥ येडि ॥ भठेकं निगीक ॥ गठि ॥ नभभुष्टुगिष्टु ॥ ठवमिडि ॥

मुदुष्टुकभुकनिमुक्ताष्टयभनेउं नभनिचमनेपयेनिभकुठिभदठभभभक
निचिल्लेडउभनीकुउपभनीचम ॥ डिअरगठिउनिचमगठ ॥ डिगीयठुष्टुभभउम
भठमय ठमय ॥ ककंमीठगवष्टु ॥ यष्टु ॥ अष्टुविष्टुभभभनगठुगभीडुनभुद
कनेमुविदुसेमक्रोष्टुभडिउम ॥ उमभभनीयठेनडिविदुठउगभिडिभभभिविष्टुभकल
लेनपदउय ॥ डिभयभनडेल्लेदुसेमिठगीष्टु देवकनेष्टुपयिष्टुभठमठुगठिष्टु
मनकुठिभभेष्टुम ॥ भुलभक्राकगुमीनेनभुष्टु यमभलमयनेष्टु ॥ यष्टु ॥ अष्टु
उं ॥ यमभकठ ॥ यउउद ॥ अष्टुभभ ॥ ककंमिडिभविष्टु ॥ डि ॥